77 वें संविधान दिवस पर पवित्र संविधान की प्रति भेंट कर ली शपथ



महिदपुर। बिरसा अंबेडकर फूले समाज कल्याण समिति के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों ने संविधान दिवस अवसर पर डॉ.आंबेडकर चौक महिदपुर पर उपस्थित होकर संविधान दिवस मनाया।सर्वप्रथम अतिथियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात जय संविधान जय भीम के नारे लगाए।संविधान दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के संविधान प्रेमी जगदीश राठौर रहे जिनका डोमा परिसंघ (दलित ओबीसी माइनॉरिटी एवं आदिवासी परिसंघ) प्रदेश महासचिव जे के मालवीय सहित विभिन्न संगठनों द्वारा भारत के पवित्र संविधान के प्रति देकर उनका अभिनंदन किया।संविधान के महत्व और विभिन्नता भरे हुए इस देश में संविधान की उपयोगिता पर उपस्थित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे।उपस्थित सभी नागरिकों ने संविधान के उद्देश्य का वचन कर बाबा साहब के सपनों का भारत बनाने की शपथ ली जिसमें प्रत्येक नागरिक समान है कोई उच्च नीच का भेदभाव नहीं हो।कार्यक्रम में मुख्य रूप से बिरसा अंबेडकर फूले समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष दिनेश चौहान,उपाध्यक्ष विक्रम सोलंकी,सचिव सुरेश डामेंचा,सह सचिव अनिल दावरे,कोषाध्यक्ष बी एल मालवीय, सक्रिय सदस्य नरेंद्र परमार,भगत सिंह चौहान,आसाराम गहलोत,देवकरण मालवीय,डॉ.जगदीश परमार,सतीश बडगुजर,राहुल बामनिया,यशराज परमार ,सलोनी परमार,सचिन गरासिया,मुरलीधर मालवीय,पीयूष बारोड,दीपक मालवीय, राजेश मालवीय,रोहित राठौर,मदनलाल नागपुरा,राहुल मालवीय आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जे के मालवीय ने किया।आभार सुरेश डामेचा एवं बाबूलाल मालवीय ने माना।

संवाद योजना अंतर्गत,प्रस्फुटन समितियों का शक्ति संचय कार्यक्रम आयोजित हुआ



सारंगपुर । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित प्रस्फुटन समिति यो का एक दिवसीय शिविर जनपद पंचायत सभा हाल में समाजसेवी जुगल किशोर दुबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ,जिसमें मुख्य वक्ता जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक प्रवीण सिंह पंवार,समाजसेवी सुशील व्यास थे,वही मुख्यातिथि जनपद पंचायत सीईओ हेमेन्द्र गोविल थे,कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक समन्वयक बद्रीलाल बामनिया ने किया अंत में आभार नवांकुर प्रभारी अजब सिंह नागर ने किया ,कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं का बखान एवं आमजन ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ आसानी से मिले,इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जुगल किशोर दुबे ने गौपालन एवं गाय से होने वाले लाभ आदि पर संबोधित किया जिला समन्वयक प्रवीण सिंह पंवार ने कहा कि जन अभियान परिषद द्वारा संचालित प्रस्फुटन समिति सदस्य नि स्वार्थ भाव से समाजसेवा करते हैं और सभी को समाजसेवा करने के लिए अपने जीवन में दो घंटे जरूरी देना चाहिए आदि,वही जनपद सीईओ हेमेन्द्र गोविल ने प्रस्फुटन समिति सदस्यों से रूबरू होकर संवाद किया और बताया कि हम लोग मिलकर ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजना का बखान करे तथा समिति सदस्यों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शासन को योजनाओं को हम मिलकर करें,अंत में समाजसेवी सुशील व्यास ने पर्यावरण,जल आदि के बारे में बताया,इस दौरान नवांकुर प्रभारी रामविलास लोदी,ज्ञान सिंह मेवाड़ा,प्रस्फुटन समिति सदस्य मनोहर लववंशी,दुर्गा नागर,दवंग,डॉ सुरेश नागर,मनोज पुष्पद,विजय बना, राधेश्याम मेवाड़ा,अनिल मेवाड़ा सहित प्रस्फुटन समिति सदस्य मौजूद थे।

536 करोड़ की सीप-अंबर माइक्रो सिंचाई परियोजना के दोनों चरणों का लोकार्पण

भोपाल। बुधनी और भैरूंदा क्षेत्र के किसानों के लिए लंबे समय से इंतजार की जा रही सिंचाई सुविधा अब हकीकत बन गई है। नर्मदा का पानी अब आधुनिक भूमिगत पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पहुंचेगा। इससे सीहोर जिले के भैरूंदा विकासखंड के 76 गांवों की 30 हजार 91 हेक्टेयर कृषि भूमि को बारहमासी सिंचाई की सुविधा मिलेगी। करीब 536.23 करोड़ रुपए की लागत से तैयार सीप-अंबर माइक्रो सिंचाई परियोजना के दोनों चरणों का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को लोकार्पण किया। परियोजना से 8 हजार से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलने का दावा किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की खुशहाली का आधार है। खेतों तक पानी पहुंचने से न केवल फसल उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि किसानों की आमदनी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। सरकार प्रदेश के हर खेत को सिंचित बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। सीहोर जिले को कार्यक्रम में कुल 577.67 करोड़ रुपए के 19 विकास कार्यों की सौगात भी दी गई। इनमें 575 करोड़ रुपए से अधिक के 9 कार्यों का लोकार्पण और 2.61 करोड़ रुपए के 10 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। भैरूंदा क्षेत्र में लंबे समय से सिंचाई और पेयजल की समस्या रही है। बारिश पर निर्भर खेती के कारण किसानों को फसल उत्पादन और आय के मामले में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। अब सीप-अंबर परियोजना से इस स्थिति में बदलाव की उम्मीद है।

1044 वें नेत्रदान में 17 वर्षीय बिटिया की साहसिक सदाशयता ने सबको किया हतप्रभ

दीपक मेहता के नेत्रदान से किसी के अंधियारे जीवन में जलेगा मार्गदर्शी दीपक

देपालपुर।



जन्म और मृत्यु विधि के हाथ में है किंतु उसके बीच के जीवन को जीने की शैली खुद के हाथ में है और इंसान के व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने में समर्थ है इंसान जब माता के उदर से जन्म लेता है तभी उसकी इस नश्वर संसार से वापस लौटने की अंतिम तिथि और स्थान तय हो चुका होता है पर वह हमें पता नहीं होता।अगर यदि वह पता चल जाए तो इंसान का एक-एक मिनट भी जीना दूभर हो जाए।

नेत्रदान का इस तरह बना पूरा घटना प्रसंग- नेत्रदान का एक ऐसा प्रसंग सम्मुख आया है देपालपुर तहसील के गौतमपुरा निवासी 44 वर्षीय स्व.श्री दीपक जैन मेहता का जिनका स्वर्गवास हो जाने पर बड़नगर गीता भवन न्यास समिति के देहदान/नेत्रदान प्रभारी डॉ.जी एल दरडवाल को कहीं से पता चला उनके दिवंगत हो जाने का तो उन्होंने वहां के श्री छगनलाल जैन से संपर्क किया कि नेत्रदान की कोशिश की जाना चाहिए।बड़ा ही हतप्रभ कर देने वाला मामला सामने आया कि उनकी 17 वर्षीय बिटिया निवी मेहता से जब इस बारे में संपर्क किया गया तो उन्होंने अति सहज-सरल रूप से नेत्रदान की अनुमति प्रदान कर दी। पहाड़ जैसे दारुण दुःख के समय ऐसे रहते हालात-



ऐसे समय में पूरा परिवार गहन दुःख में डूबा होता है और उनसे नेत्रदान की बात करने में भी बड़ी हिम्मत दिखाना पड़ती है।कई बार तरह-तरह की बातें सुनने को मिलती है।बड़ा विचित्र मामला रहता है ऐसे समय नेत्रदान की बात करने में। कई बार तो इस विषयक जागरूक लोग स्वयं आगे बढ़कर नेत्रदान कराने की पहल भी करते हैं।उन्होंने यह सोचा कि पिताजी तो अब इस दुनिया में रहे नहीं,कम से कम उनकी पार्थिव देह को अग्नि को समर्पित कर जलाकर राख करने के पहले उनके नेत्रों से कोई इस दुनिया को देखेगा तो उनमें कहीं ना कहीं,हम भी होंगे ही जो दिखाई देंगे। नेत्रदान पहल करने वालों के लिए भी रहती है समय सीमा- कई बार कड़वे-मीठे अनुभव भी सामने आते हैं।मृतक के परिवार के लोग कह देते हैं कि हमारे ऊपर तो पहाड़ आ गिरा है और आपको नेत्रदान की पड़ी है पर उनको यह मालूम होना चाहिए कि इसमें समय सीमा तय रहती है उस समय सीमा में ही यह कार्य पूर्ण किया जा सकता है, वरना नेत्र अनुपयोगी हो जाते। नेत्र उत्सर्जन की प्रक्रिया की गई संपन्न- गीता भवन के इस 1044 वें नेत्रदान में श्री पुखराज मेहता जैन, 44 वर्ष, चंचल नाका, स्टेशन रोड, गौतमपुरा, तहसील देपालपुर निवासी के सुपुत्र दीपक का स्वर्गवास हो जाने पर उनकी सुपुत्री निवी मेहता सुपुत्री स्व.श्री दीपक मेहता ने नेत्रदान सहमति की सूचना श्री छगनलाल जैन गौतमपुरा को प्रदान की जिस पर क्रियान्वयन स्वरूप 26/11 को रात 10:57 बजे टीम में विकास मेहता गौतमपुरा,संजय कुमावत,नीलकंठ सोलेगांवकर बड़नगर के सहयोग से यह अजब-गजब नेत्र उत्सर्जन का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।मृतक का एक 12 वर्षीय पुत्र भी है। गीता भवन न्यास समिति के अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाली ने इस नेत्रदान की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए पूरे परिवार के सज्जनों के इस परोपकारी भाव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।मेहता परिवार ने इन विषम/विकट परिस्थितियों में बड़नगर की इस संस्था को 3200रु.का अर्थ सहयोग भी किया है।

एम.ए.उर्दू में प्रथम स्थान प्राप्त कर तौराफ शाह ने बढ़ाया महिदपुर का गौरव, रु.25 हजार नकद पुरस्कार से सम्मानित



महिदपुर।जवाहर डोसी पीयूष महिदपुर के श्री तौराफ शाह ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा और मेहनत के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन की खातकोत्तर कला संकाय की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विगत दिवस उन्हें स्व.मदनलालजी धानुका स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 18 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस,शासकीय माधव महाविद्यालय,उज्जैन में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें रु.25,000 की नकद राशि, आकर्षक ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान एम.ए.उर्दू, सत्र 2025-26 में उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर तौराफ शाह ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता की दुआओं,गुरुजनों के मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत को दिया।

'इक्का' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर

जब इंसाफ की लड़ाई निजी जंग बन जाए और अतीत के दबे हुए राज सामने आने लगें, तो अदालत ही उस जंग का सबसे बड़ा मैदान बन जाती है। सही और गलत के बीच की कशमकश, रिश्तों की उलझनें और अचानक होने वाले टकराव से भरी ऐसी ही कहानी लेकर आ रहा है ज़ी सिनेमा। सनी देओल और अक्षय खन्ना स्टारर फिल्म 'इक्का' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर रविवार, 29 नवंबर को रात 8 बजे होगा।सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा निर्देशित और अल्केमी फिल्म्स द्वारा निर्मित इक्का लगभग तीन



दशकों बाद सनी देओल और अक्षय खन्ना को एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ लेकर आई है। बॉर्डर में अपनी यादगार साझेदारी के बाद दोनों दिग्गज कलाकार इस फिल्म में एक बार फिर आमने-सामने नज़र आते हैं। अदालत की तीव्र पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म न्याय और व्यक्तिगत विश्वास के बीच की महीन रेखा को तलाशती है और एक अहम सवाल उठाती है कि इंसान उन लोगों और मूल्यों की रक्षा के लिए कितना आगे जा सकता है, जिन्हें वह सबसे अधिक चाहता है।

स्वयंभू पत्रकारों को मान्यताप्राप्त पत्रकारों जैसी सुरक्षा जरूरी नहीं ! सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

पत्रकार की पहचान और पुलिस कार्रवाई के दौरान मिलने वाले संरक्षण पर शीर्ष अदालत करेगी विचार, मान्यता प्राप्त और स्वघोषित पत्रकारों के बीच अंतर का उठा सवाल

नई दिल्ली।जवाहर डोसी पीयूष पत्रकारिता की पहचान,स्वतंत्रता और सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण बहस सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि स्वयं को पत्रकार घोषित कर देने मात्र से किसी व्यक्ति को मान्यताप्राप्त पत्रकारों के समान सुरक्षा का अधिकार नहीं मिल सकता।पत्रकार होने का दर्जा कोई व्यक्ति स्वयं निर्धारित नहीं कर सकता।अदालत की यह टिप्पणी दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार और हिरासत से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान आई। गुरुवार, 26 नवंबर को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत,न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी.मोहना की पीठ ने पत्रकार की परिभाषा,उसकी पहचान और पुलिस के सामने उसे मिलने वाले विशेष संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण सवालों पर विचार करने की बात कही।अदालत ने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था के बीच संतुलन आवश्यक है।

क्या है पूरा मामला- मामला अक्टूबर में दिल्ली में हुए उन विरोध प्रदर्शनों से जुड़ा है जिनमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई थी। 10 और 11 अक्टूबर को प्रदर्शन की कवरेज कर रहे कई पत्रकारों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था।केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स (यूडब्लूजे) ने सात पत्रकारों की हिरासत और उनके साथ कथित बदसलूकी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान यूनियन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी.वी.दिनेश ने दलील दी कि हिरासत में लिए गए पत्रकार स्थापित मीडिया संस्थानों से जुड़े हैं,न कि केवल सोशल मीडिया पर रील बनाने वाले लोग। इनमें 24 न्यूज,एशियानेट न्यूज,रिपोर्टर टीवी, मातृभूमि और मनोरमा न्यूज जैसे संस्थानों के पत्रकार शामिल बताए गए हैं।

जांच कमेटी के सामने रखे जाएंगे सबूत- अदालत ने सातों पत्रकारों की व्यक्तिगत शिकायतों पर फिलहाल कोई निष्कर्ष नहीं दिया है।इन शिकायतों को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश आर.सुभाष रेड्डी की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय जांच कमेटी के समक्ष रखने के निर्देश दिए गए हैं।अब याचिकाकर्ताओं को कमेटी के सामने यह साबित करना होगा कि वे घटनास्थल पर पत्रकारिता के उद्देश्य से मौजूद थे और उनके खिलाफ आवश्यकता से अधिक बल का इस्तेमाल किया गया।

दिल्ली पुलिस ने अपने हलफनामे में पत्रकारों को एक अलग श्रेणी बताते हुए कहा है कि कमाई के उद्देश्य से रील बनाने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इस श्रेणी में शामिल नहीं होते।

हजारों स्ट्रिंगरों और डिजिटल पत्रकारों पर भी पड़ेगा असर- सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अब पत्रकार की कानूनी और व्यावहारिक परिभाषा,पुलिस के सामने पत्रकारों को मिलने वाले विशेष अधिकार तथा प्रदर्शन स्थल से जबरन हटाए जाने को हिरासत माना जाएगा या नहीं,जैसे महत्वपूर्ण सवाल विचाराधीन हैं। इस बहस का असर केवल मान्यताप्राप्त पत्रकारों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि देशभर में काम कर रहे हजारों स्ट्रिंगरों, फ्रीलांसरों और डिजिटल पत्रकारों के अधिकारों तथा सुरक्षा से भी जुड़ा है। हालांकि,अदालत की मौखिक टिप्पणी को अंतिम न्यायिक फैसला नहीं माना जा सकता।अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट पत्रकारिता की पहचान और सुरक्षा को लेकर क्या कानूनी दिशा तय करता है?

अस्पताल कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन, 30 नवंबर से काम बंद करने की चेतावनी

सिविल अस्पताल में अभद्रता और शासकीय कार्य में बाधा डालने का आरोप, कार्रवाई के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम



आष्टा। सिविल अस्पताल आष्टा में 26 नवंबर को एनएसयूआई के प्रशांत गोल्डी और उनके साथ आए 30-40 लोगों द्वारा हंगामा, अभद्रता और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोपों को लेकर अस्पताल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने शुक्रवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आष्टा महेंद्र प्रताप सिंह किरार और नगर निरीक्षक रमनसिंह ठाकुर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में संबंधित लोगों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। कार्रवाई नहीं होने की दशा में तीन दिन पश्चात अर्थात 30 नवंबर से कार्य बंद करने की चेतावनी भी दी गई है। बीएमओ डॉ अमित माथुर द्वारा सौंपे गए ज्ञापन के अनुसार, 26 नवंबर को प्रशांत गोल्डी अपने साथ 30-40 लोगों को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे और मुख्य द्वार अवरुद्ध कर धरना दिया। इस दौरान धरने पर बैठे लोगों ने बीएमओ डॉ. अमित माथुर से बातचीत के दौरान आक्रामक व्यवहार करते हुए अभद्रता की और अमर्यादित भाषा का उपयोग किया।आरोप है कि संबंधित लोग अस्पताल के संवेदनशील एवं प्रतिबंधित विभागों, जैसे लेबर रूम,एनबीएसयू और वैक्सीनेशन कक्ष में पहुंच गए, जहां पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित है। वहां नारेबाजी और वीडियो रिकॉर्डिंग करते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि बीएमओ कार्यालय के गेट को क्षतिग्रस्त कर जबरन कार्यालय में प्रवेश किया गया। कार्यालय में टेबल ठोकते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अभद्रता की गई तथा 10 दिन में देख लेने की धमकी दी गई। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं से अस्पताल में कार्यरत चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का वातावरण बन रहा है। ऐसी परिस्थितियों में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से संचालित करना कठिन हो जाता है।ज्ञापन के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों ने संबंधित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए तीन दिन का समय दिया है। चेतावनी दी गई है कि यदि इस अवधि में कार्रवाई नहीं की गई तो 30 नवंबर से अस्पताल के समस्त चिकित्सक एवं कर्मचारी काम बंद कर देंगे। ज्ञापन सौंपते समय बीएमओ डॉ. अमित माथुर, डॉ. भूपेंद्र परमार, डॉ. आशीष नरेडा, डॉ. अंकित पोरवाल सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक एवं अस्पताल स्टाफ उपस्थित था।

आईआईटी मंडी के डिजाइन प्रैक्टिकम में 75 छात्र-निर्मित प्रोटोटाइप प्रदर्शित; 1,200 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने नवाचारों को करीब से देखा

450 से अधिक बीटेक विद्यार्थियों ने कार्यशील प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए; चयनित परियोजनाओं को आगे के विकास और स्टार्टअप के अवसरों के लिए संस्थागत सहयोग मिलेगा

मंडी, हिमाचल प्रदेश। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी ने परिसर में अपने डिजाइन प्रैक्टिकम ओपन हाउस और हैक फॉर सोशल कॉज (हस्र) प्रोजेक्ट डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन किया। इस अवसर पर बीटेक के द्वितीय वर्ष के 450 से अधिक विद्यार्थियों द्वारा विकसित 75 कार्यशील प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए गए। इस कार्यक्रम में युवा नवाचारों, उद्योग एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों और क्षेत्र के 1,200 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तकनीक आधारित समाधानों को करीब से देखा।

प्रदर्शित परियोजनाओं में स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, ऊर्जा, सामाजिक विकास, सामुदायिक जागरूकता, राष्ट्रीय रक्षा, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन जैसे विविध क्षेत्रों की समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए गए। विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों के विद्यार्थियों की टीमों ने पूरे सेमेस्टर के दौरान इन प्रोटोटाइप को विकसित किया। इन परियोजनाओं ने प्रदर्शित किया कि किस प्रकार इंजीनियरिंग के ज्ञान को समाज के लिए उपयोगी और व्यावहारिक समाधानों में बदला जा सकता है।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण आसपास के स्कूलों से आए 1,200 से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी रही। युवा विद्यार्थियों ने एक प्रदर्शन केंद्र से दूसरे केंद्र तक जाकर छात्र टीमों के साथ बातचीत की, प्रत्येक नवाचार के पीछे की समस्या को समझा और प्रोटोटाइप को कार्य करते हुए देखा। इस अनुभव ने उन्हें इंजीनियरिंग, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की दुनिया से परिचित होने का प्रेरणादायक अवसर प्रदान किया। परियोजनाओं का मूल्यांकन विभिन्न क्षेत्रों के 25 से अधिक विशेषज्ञों द्वारा किया गया। इनमें भारतीय वायु सेना के अधिकारी, एम्स बिलासपुर के चिकित्सक, मंडी स्थित निर्वाचन आयोग के अधिकारी और आईआईटी मंडी के संकाय सदस्य शामिल थे। विशेषज्ञों की भागीदारी ने मूल्यांकन प्रक्रिया में वास्तविक परिस्थितियों से जुड़े महत्वपूर्ण दृष्टिकोण जोड़े। साथ ही, विद्यार्थियों को उन पेशेवरों से उपयोगी सुझाव और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिन्हें संबंधित क्षेत्रों में प्रत्यक्ष अनुभव है। कई प्रोटोटाइप में व्यावसायीकरण और स्टार्टअप के रूप में विकसित होने की अच्छी संभावनाएं दिखाई दीं। आईआईटी मंडी चयनित परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा, ताकि विद्यार्थी अपने विचारों को शुरुआती प्रोटोटाइप से आगे ले जाकर उन्हें और विकसित कर सकें।